विष्णु सहस्त्रनामम् स्तोत्र | Vishnu Sahasranamam –

Vishnu Sahasranamam Hindi Meaning

विष्णु सहस्रनाम भगवान विष्णु के 1,000 नामों (सहस्रनाम) की एक सूची है युधिष्ठिर और भीष्म के बीचबातचीत के दौरान, यह पितमहाहेशे ने खुलासा किया था।

आइये अब हम हिंदी में प्रत्येक नाम का अर्थ देखते हैं

नाम विष्णु सहस्त्रनामम् - हिंदी में अर्थ

1 विश्वम् जो स्वयं ब्रह्मांड है

2 विष्णुः वह जो हर जगह व्याप्त है

3 वषट्कारः वह जो विस्मरण के लिए प्रवृत्त होता है

4 भूतभव्यभवत्प्रभुः भूत, वर्तमान और भविष्य का भगवान

5 भूतकृत् सभी प्राणियों का रचयिता

6 भूतभृत् वह जो सभी प्राणियों का पोषण करता है

7 भावः वह जो सभी चलती और नॉनमोविंग चीजें बन जाती है

8 भूतात्मा सभी प्राणियों का आत्मान

9 भूतभावनः सभी प्राणियों की वृद्धि और जन्म का कारण

10 पूतात्मा वह एक अत्यंत शुद्ध सार के साथ

11 परमात्मा परमसत्ता; ब्रह्म; ईश्वर; भगवान; जो श्रेष्ठ और उत्तम हो।

12 मुक्तानां परमा गतिः अंतिम लक्ष्य, मुक्त आत्माओं द्वारा पहुँचा

13 अव्ययः बिना विनाश के

14 पुरुषः वह जो मजबूत पुरुषत्व के साथ एक आत्मा की अभिव्यक्ति है

15 साक्षी गवाह

16 क्षेत्रज्ञः क्षेत्र का ज्ञाता

17 अक्षरः अक्षय

18 योगः वह जिसे योग के माध्यम से महसूस किया जाता है

19 योगविदां नेता योग जानने वालों का मार्गदर्शक

20 प्रधानपुरुषेश्वरः प्रभु के पुरुषार्थ और पुरुषार्थ

21 नारसिंहवपुः वह जिसका रूप मानव-सिंह है

22 श्रीमान् वह जो हमेशा श्री के साथ है

23 केशवः जिसके बाल बहुत लंबे और सुंदर हों; बहुत घने केशों वाला।

24 पुरुषोत्तमः सर्वोच्च नियंत्रक, जो पुरुषों में सब से उत्तम या सर्वश्रेष्ठ हो।

25 सर्वः वह जो सब कुछ है

26 शर्वः शुभ

27 शिवः वह जो सदा शुद्ध है

28 स्थाणुः स्तंभ, अचल सत्य

29 भूतादिः पाँच महाभूतों का कारण

30 निधिरव्ययः

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

31 सम्भवः वह जो अपनी मर्जी से उतरता है
32 भावनः वह जो अपने भक्तों को सब कुछ देता है
33 भर्ता वह जो संपूर्ण जीव जगत पर शासन करता है
34 प्रभवः पाँच महाभूतों का गर्भ
35 प्रभुः सर्वशक्तिमान भगवान
36 ईश्वरः वह जो बिना किसी की मदद के कुछ भी कर सकता है
37 स्वयम्भूः वह जो स्वयं से प्रकट होता है
38 शम्भुः वह जो शुभता लाता हो
39 आदित्यः अदिति का पुत्र; सूर्य
40 पुष्कराक्षः वह जिसके पास कमल के समान नेत्र हों
41 महास्वनः वह जिसके पास गड़गड़ाहट की आवाज हो
42 अनादि-निधनः वह मूल या अंत के बिना
43 धाता वह जो अनुभव के सभी क्षेत्रों का समर्थन करता है
44 विधाता सृष्टि का रचयिता; व्यवस्था या विधान करने वाला
45 धातुरुत्तमः परमाणु; धातु का सबसे छोटा हिस्सा
46 अप्रमेयः वह जो माना नहीं जा सकता
47 हृषीकेशः इंद्रियों के स्वामी
48 पद्मनाभः वह जिसकी नाभि से कमल निकलता है
49 अमरप्रभुः देवों के देव
50 विश्वकर्मा ब्रह्मांड का निर्माता
51 मनुः वह जो वैदिक मंत्रों के रूप में प्रकट हुआ है
52 त्वष्टा वह जो विशाल चीजों को छोटा बनाता है
53 स्थविष्ठः परम सकल
54 स्थविरो ध्रुवः प्राचीन, अविचल
55 अग्राह्यः वह जो कथित रूप से कामुक न हो
56 शाश्वतः वह जो हमेशा एक ही रहता है
57 कृष्णः वह जिसका रंग गहरा हो
58 लोहिताक्षः लाल आंखों
59 प्रतर्दनः सर्वोच्च विनाश
60 प्रभूतस् कभी-भरा
61 त्रिकाकुब्धाम तीन तिमाहियों का समर्थन
62 पवित्रम् वह जो हृदय को पवित्रता देता है
63 मंगलं-परम् परम शुभ
64 ईशानः पाँच महाभूतों का नियंत्रक
65 प्राणदः वह जो जीवन देता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

65 प्राणदः वह जो जीवन देता है
66 प्राणः वह जो कभी रहता है
67 ज्येष्ठः सब से पुराना
68 श्रेष्ठः सबसे शानदार
69 प्रजापतिः सभी प्राणियों के भगवान
70 हिरण्यगर्भः वह जो संसार के गर्भ में वास करता है
71 भूगर्भः वह जो संसार का गर्भ है
72 माधवः लक्ष्मी के पति
73 मधुसूदनः मधु दानव का संहारक
74 ईश्वरः नियंत्रक
75 विक्रमः वह जो सर्वगुण संपन्न हो
76 धन्वी वह जिसके पास सदैव दिव्य धनुष हो
77 मेधावी अति बुद्धिमान
78 विक्रमः वीरतापूर्ण
79 क्रमः सभी सर्वव्यापी
80 अनुत्तमः अतुलनीय रूप से महान
81 दुराधर्षः वह जो सफलतापूर्वक हमला नहीं किया जा सकता
82 कृतज्ञः वह जो सब जानता है
83 कृतिः वह जो हमारे सभी कार्यों को पुरस्कृत करता है
84 आत्मवान् सभी प्राणियों में स्व
85 सुरेशः अवगुणों के स्वामी
86 शरणम् शरण
87 शर्म वह जो स्वयं असीम आनंद है
88 विश्वरेताः ब्रह्मांड का बीज
89 प्रजाभवः वह जिससे सभी प्रजा आती है
90 अहः वह जो समय का स्वरूप है
91 संवत्सरः वह जिससे समय की अवधारणा आती है
92 व्यालः नास्तिकों को सर्प (वलय)
93 प्रत्ययः वह जिसका स्वभाव ज्ञान है
94 सर्वदर्शनः सब देख रहे है
95 अजः वर्तमान
96 सर्वेश्वरः सभी का नियंत्रक
97 सिद्धः सबसे प्रसिद्ध
98 सिद्धिः वह जो मोक्ष देता हो
99 सर्वादिः सभी की शुरुआत

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

100 अच्युत: अचूक
101 वृषाकपि: वह जो दुनिया को धर्मान्तरित करता है
102 अमेयात्मा वह जो अनंत किस्मों में प्रकट होता है
103 सर्वयोगविनिसृत: वह जो सभी आसक्तियों से मुक्त हो
104 वसु: सभी तत्वों का समर्थन
105 वसुमना: वह जिसका मन परम पवित्र है
106 सत्य: सच्चाई
107 समात्मा वह जो सभी में समान हो
108 सम्मित: जिसे अधिकारियों द्वारा स्वीकार कर लिया गया है
109 सम: बराबरी का
110 अमोघ: कभी उपयोगी
111 पुण्डरीकाक्ष: वह जो दिल में बसता है
112 वृषकर्मा वह जिसका हर कार्य धर्मी है
113 वृषाकृति: धर्म का रूप
114 रुद्र: वह जो पराक्रमी है और वह जो "उग्र" है
115 बहुशिर: वह जिसके पास कई सिर हों
116 बभ्रु: वह जो सारी दुनिया पर राज करता है
117 विश्वयोनि: ब्रह्मांड का गर्भ
118 शुचिश्रवा: वह जो केवल अच्छे और शुद्ध को सुनता है
119 अमृत: अजर अमर
120 शाश्वत:-स्थाणु: स्थायी और अचल
121 वरारोह: सबसे शानदार गंतव्य
122 महातप: वह महान तप का
123 सर्वग: सभी सर्वव्यापी
124 सर्वविद्भानु: सर्वज्ञ और अपूर्व
125 विष्वक्सेन: वह जिसके खिलाफ कोई सेना खड़ी नहीं कर सकती
126 जनार्दन: वह जो अच्छे लोगों को खुशी देता है
127 वेद: वह जो वेद है
128 वेदविद् वेदों का ज्ञाता
129 अव्यंग: बिना खामियों के
130 वेदांग: वह जिसके अंग वेद हैं
131 वेदविद् वह जो वेदों का चिन्तन करता हो
132 कवि: ऋषि
133 लोकाध्यक्ष: वह जो सभी लोकों की अध्यक्षता करता है
134 सुराध्यक्ष: वह जो सभी देवों की अध्यक्षता करता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

135 धर्माध्यक्षः वह जो धर्म की अध्यक्षता करता है
136 कृताकृतः वह सब जो बनाया जाता है और बनाया नहीं जाता है
137 चतुरात्मा चार गुना स्व
138 चतुर्व्यूहः वासुदेव, संस्कार आदि।
139 चतुर्दंष्ट्रः वह जिसके पास चार डिब्बे हैं (नरसिम्हा)
140 चतुर्भुजः चार हाथ
141 भ्राजिष्णुः आत्म-संवेदी चेतना
142 भोजनम् वह जो इन्द्रिय-वस्तु है
143 भोक्ता भोग करनेवाला
144 सहिष्णुः वह जो धैर्यपूर्वक पीड़ित हो सकता है
145 जगदादिजः दुनिया की शुरुआत में पैदा हुआ
146 अनघः गुनाहों के बिना
147 विजयः विजयी
148 जेता कभी-सफल
149 विश्वयोनिः वह जो संसार के कारण अवतार लेता है
150 पुनर्वसुः वह जो विभिन्न शरीरों में बार-बार रहता है
151 उपेन्द्रः इंद्र का छोटा भाई (वामन)
152 वामनः वह एक बौने शरीर के साथ
153 प्रांशुः वह एक विशाल शरीर के साथ
154 अमोघः वह जिसका कृत्य एक महान उद्देश्य के लिए हो
155 शुचिः वह जो बेदाग साफ हो
156 ऊर्जितः वह जिसकी अनंत जीवन शक्ति है
157 अतीन्द्रः वह जो इंद्र से आगे निकल जाए
158 संग्रहः वह जो सब कुछ एक साथ रखता हो
159 सर्गः वह जो स्वयं से संसार का निर्माण करता है
160 धृतात्मा खुद में स्थापित
161 नियमः नियुक्ति प्राधिकारी
162 यमः प्रशासक
163 वेद्यः वह जो जाना जाय
164 वैद्यः सर्वोच्च चिकित्सक
165 सदायोगी हमेशा योग में
166 वीरहा वह जो पराक्रमी वीरों का नाश करता है
167 माधवः सभी ज्ञान के भगवान
168 मधुः मिठाई

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

169 अतीन्द्रियः बोध अंगों से परे
170 महामायः सभी माया के सर्वोच्च स्वामी
171 महोत्साहः बड़ा उत्साह है
172 महाबलः वह जिसके पास सर्वोच्च शक्ति हो
173 महाबुद्धिः वह जिसके पास सर्वोच्च बुद्धिमत्ता है
174 महावीर्यः परम सार
175 महाशक्तिः सर्वशक्तिमान
176 महाद्युतिः बहुत चमकदार
177 अनिर्देश्यवपुः वह जिसका रूप अवर्णनीय है
178 श्रीमान् वह जो हमेशा गौरव से विराजित होता है
179 अमेयात्मा वह जिसका सार अपरंपार है
180 महाद्रिधृक् वह जो महान पर्वत का समर्थन करता है
181 महेष्वासः वह जो शारंग का उत्पादन करता है
182 महीभर्ता धरती माता का पति
183 श्रीनिवासः श्री का स्थायी निवास
184 सतां गतिः सभी गुणी लोगों के लिए लक्ष्य
185 अनिरुद्धः वह जो बाधित नहीं किया जा सकता है
186 सुरानन्दः वह जो सुख देता हो
187 गोविन्दः गायों का रक्षक।
188 गोविदां-पतिः ज्ञान के सभी पुरुषों के भगवान
189 मरीचिः वह शक्ति या तत्व जिसके योग से वस्तुओं आदि का रूप आँख को दिखाई देता है
190 दमनः वह जो रक्षों को नियंत्रित करता है
191 हंसः हंस
192 सुपर्णः सुंदर पंखों वाला (दो पक्षी सादृश्य)
193 भुजगोत्तमः सर्प अनंत
194 हिरण्यनाभः वह जिसकी सुनहरी नाभि हो
195 सुतपाः वह जिसके पास शानदार तपस हो
196 पद्मनाभः वह जिसकी नाभि कमल के समान हो
197 प्रजापतिः वह जिससे सभी जीव निकलते हैं
198 अमृत्युः वह जो कोई मृत्यु नहीं जानता
199 सर्वदृक् हर चीज का द्रष्टा
200 सिंहः वह जो नष्ट करता हो
201 सन्धाता नियामक

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

202 सन्धिमान् वह जो वातानुकूलित लगता है
203 स्थिरः नियमित
204 अजः वह जो अजा, ब्रह्म का रूप लेता है
205 दुर्मषणः वह जिसे वशीभूत नहीं किया जा सकता है
206 शास्ता वह जो ब्रह्मांड पर शासन करता है
207 विश्रुतात्मा विष्णु
208 सुरारिहा देवों के शत्रुओं का नाश करने वाला
209 गुरुः शिक्षक
210 गुरुतमः सबसे महान शिक्षक
211 धाम लक्ष्य
212 सत्यः वह जो स्वयं सत्य है
213 सत्यपराक्रमः गतिशील सत्य
214 निमिषः वह जिसने चिंतन में आंखें बंद कर रखी हों
215 अनिमिषः वह जो अविचलित रहता है; कभी जानकर
216 स्रग्वी वह जो हमेशा फूलों की एक माला पहनता है
217 वाचस्पतिः-उदारधीः वह जो जीवन के सर्वोच्च कानून को पूरा करने में वाक्पटु है; वह बड़े दिल वाले बुद्धिमत्ता वाले थे
218 अग्रणीः वह जो हमें शिखर तक पहुँचाता है
219 ग्रामणीः वह जो झुंड का नेतृत्व करता है
220 श्रीमान् प्रकाश, आलोक, वैभव का स्वामी
221 न्यायः न्याय
222 नेता नेता
223 समीरणः वह जो सभी जीवित प्राणियों के सभी आंदोलनों को पर्याप्त रूप से प्रशासित करता है
224 सहस्रमूर्धा वह जिसके पास अंतहीन सिर हों
225 विश्वात्मा ब्रह्मांड की आत्मा
226 सहस्राक्षः हजारों आँखें
227 सहस्रपात् हजार टांगों
228 आवर्तनः अनदेखी गतिशीलता
229 निवृत्तात्मा आत्मा पदार्थ से पीछे हट गई
230 संवृतः वह जो जीव से विमुख हो
231 संप्रमर्दनः वह जो बुरे आदमियों को सताता है
232 अहः संवर्तकः वह जो दिन को रोमांचित करता है और जोरदार ढंग से कार्य करता है
233 वह्निः आग
234 अनिलः वायु

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

235 धरणीधरः वह जो पृथ्वी का समर्थन करता है
236 सुप्रसादः पूरी तरह से संतुष्ट
237 प्रसन्नात्मा कभी शुद्ध और सर्व आनंदमय
238 विश्वधृक् दुनिया के समर्थक
239 विश्वभुक् वह जो सभी अनुभवों का आनंद लेता है
240 विभुः वह जो अंतहीन रूपों में प्रकट होता है
241 सत्कर्ता वह जो अच्छे और समझदार लोगों का पालन करता है
242 सत्कृतः वह जो सभी अच्छे लोगों द्वारा पसंद किया जाता है
243 साधुः वह जो धर्मी संहिताओं द्वारा रहता है
244 जह्नुः लोगों का नेता
245 नारायणः वह जो पानी पर रहता है
246 नरः मार्गदर्शक
247 असंख्येयः वह जिसके पास संख्याहीन नाम और रूप हैं
248 अप्रमेयात्मा प्राणों के माध्यम से नहीं जानी जाने वाली आत्मा
249 विशिष्टः वह जो अपनी महिमा में सभी को स्थानांतरित करता है
250 शिष्टकृत् कानून बनाने वाला
251 शुचिः वह जो शुद्ध हो
252 सिद्धार्थः वह जिसके पास सभी अस्त्र हों
253 सिद्धसंकल्पः वह जो वह प्राप्त करता है जो वह चाहता है
254 सिद्धिदः द्विभाजनों का दाता
255 सिद्धिसाधनः हमारी साधना के पीछे की शक्ति
256 वृषाही सभी क्रियाओं का नियंत्रक
257 वृषभः वह जो सभी धर्मों को दर्शाता हो
258 विष्णुः लंबे समय से लम्बे
259 वृषपर्वा धर्म की ओर जाने वाली सीढ़ी (साथ ही स्वयं धर्म)
260 वृषोदरः वह जिसके पेट से आगे की ज़िंदगी दिखती है
261 वर्धनः पोषण करने वाला और पोषण करने वाला
262 वर्धमानः वह जो किसी भी आयाम में बढ़ सकता है
263 विविक्तः अलग
264 श्रुतिसागरः सभी शास्त्रों का सागर
265 सुभुजः वह जिसके पास सुशोभित भुजाएँ हैं
266 दुर्धरः वह जो महान योगियों द्वारा नहीं जाना जा सकता है
267 वाग्मी वह जो वाणी में वाक्पटु हो
268 महेन्द्रः इंद्र का स्वामी
269 वसुदः वह जो सब धन देता हो

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

270 वसुः वह जो धन है
271 नैकरूपः वह जिसके पास असीमित रूप हैं
272 बृहद्रूपः विशाल, अनंत आयामों का
273 शिपिविष्टः सूर्य के पीठासीन देवता
274 प्रकाशनः वह जो रोशन करता है
275 ओजस्तेजोद्युतिधरः जीवन शक्ति, पवित्रता और सुंदरता के स्वामी
276 प्रकाशात्मा संयोगवश स्व
277 प्रतापनः तापीय ऊर्जा; एक जो तपता है
278 ऋद्धः समृद्धि से भरा हुआ
279 स्पष्टाक्षरः एक जो ओम द्वारा इंगित किया गया है
280 मन्त्रः वैदिक मंत्रों की प्रकृति
281 चन्द्रांशुः चंद्रमा की किरणें
282 भास्करद्युतिः सूर्य का संयोग
283 अमृतांशोद्भवः

284 भानुः स्व दीप्तिमान
285 शशबिन्दुः वह चंद्रमा जिसके पास खरगोश जैसा स्थान हो
286 सुरेश्वरः अत्यधिक दान का व्यक्ति
287 औषधम् दवा
288 जगतः सेतुः भौतिक ऊर्जा के पार एक पुल
289 सत्यधर्मपराक्रमः वह जो सत्य और धार्मिकता के लिए वीरतापूर्वक चैंपियन बने
290 भूतभव्यभवन्नाथः भूत, वर्तमान और भविष्य का भगवान
291 पवनः ब्रह्मांड को भरने वाली हवा
292 पावनः वह जो वायु को प्राण-शक्ति देता है
293 अनलः आग
294 कामहा वह जो सभी इच्छाओं को नष्ट कर देता है
295 कामकृत् वह जो सभी इच्छाओं को पूरा करता है
296 कान्तः वह जो करामाती रूप का हो
297 कामः प्रिय
298 कामप्रदः वह जो वांछित वस्तुओं की आपूर्ति करता है
299 प्रभुः भगवान
300 युगादिकृत् युगों के निर्माता
301 युगावर्तः समय के पीछे कानून
302 नैकमायः वह जिसके रूप अनंत और विविध हैं
303 महाशनः वह जो सब कुछ खाता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

304 अदृश्यः अगोचर
305 व्यक्तरूपः वह जो योगी के प्रति बोधगम्य है
306 सहस्रजित् वह जो हजारों को मारता है
307 अनन्तजित् कभी-विजयी
308 इष्टः वह जो वैदिक अनुष्ठानों के माध्यम से आह्वान किया जाता है
309 विशिष्टः कुलीन और सबसे पवित्र
310 शिष्टेष्टः सबसे बड़ा प्रिय
311 सिद्धार्थ जो पूर्णता प्राप्त करता है, कलियुग के अंतिम युग में बुद्ध अवतार का जन्म नाम
312 नहुषः वह जो माया से सबको बांधता है
313 वृषः वह जो धर्मात्मा है
314 क्रोधहा वह जो क्रोध का नाश करता हो
315 क्रोधकृत्कर्ता वह जो निम्न प्रवृत्ति के विरुद्ध क्रोध उत्पन्न करता है
316 विश्वबाहुः वह जिसका हाथ है वह सब कुछ में है
317 महीधरः धरती का सहारा
318 अच्युतः वह जो परिवर्तन से गुजरता है
319 प्रथितः वह जो सभी में व्याप्त है
320 प्राणः सभी प्राणियों में प्राण
321 प्राणदः वह जो प्राण देता है
322 वासवानुजः इंद्र का भाई
323 अपां-निधिः पानी का खजाना (सागर)
324 अधिष्ठानम् सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का मूल
325 अप्रमत्तः वह जो कभी गलत निर्णय नहीं लेता
326 प्रतिष्ठितः जिसके पास कोई कारण नहीं है
327 स्कन्दः वह जिसकी महिमा सुब्रह्मण्य के माध्यम से व्यक्त की जाती है
328 स्कन्दधरः धार्मिकता को वापस लेने का फ़ोल्डर
329 धूर्यः जो बिना अड़चन के सृष्टि आदि का संचालन करता है
330 वरदः वह जो वरदानों की पूर्ति करता हो
331 वायुवाहनः हवाओं का नियंत्रक
332 वासुदेवः सभी प्राणियों में विचरना हालांकि उस स्थिति से प्रभावित नहीं है
333 बृहद्भानुः वह जो सूर्य और चंद्रमा की किरणों से दुनिया को रोशन करता है
334 आदिदेवः हर चीज का प्राथमिक स्रोत
335 पुरन्दरः शहरों को नष्ट करने वाला
336 अशोकः वह जिसका कोई दुःख न हो

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

337 तारणः वह जो दूसरों को पार करने में सक्षम बनाता है

338 तारः वह जो बचाता है

339 शूरः वीरता

340 शौरिः वह जिसने शौर्य के वंश में अवतार लिया था

341 जनेश्वरः लोगों का भगवान

342 अनुकूलः सभी के शुभचिंतक

343 शतावर्तः वह जो अनंत रूप लेता है

344 पद्मी वह जो कमल धारण करता हो

345 पद्मनिभेक्षणः लोटस आंखों

346 पद्मनाभः वह जिसके पास कमल-नाभि हो

347 अरविन्दाक्षः वह जिसकी आँखें कमल के समान सुंदर हों

348 पद्मगर्भः वह जो हृदय के कमल में ध्यान किया जा रहा हो

349 शरीरभृत् वह जो सभी शरीरों का निर्वाह करता है

350 महर्द्धिः जिसकी बड़ी समृद्धि है

351 ऋद्धः वह जिसने स्वयं को ब्रह्मांड के रूप में विस्तारित किया है

352 वृद्धात्मा प्राचीन स्व

353 महाक्षः बड़ी-बड़ी आंखें

354 गरुडध्वजः एक जो उनके झंडे पर गरुड़ है

355 अतुलः बेमिसाल

356 शरभः एक जो निकायों के माध्यम से रहता है और चमकता है

357 भीमः भयानक

358 समयज्ञः जिसकी पूजा भक्त द्वारा मन की समान दृष्टि रखने के अलावा और कुछ नहीं है

359 हविर्हरिः सब विस्मरण का रिसीवर

360 सर्वलक्षणलक्षण्यः सभी प्रमाणों के माध्यम से जाना जाता है

361 लक्ष्मीवान् लक्ष्मी का संघ

362 समितिञ्जयः कभी-विजयी

363 विक्षरः अविनाशी

364 रोहितः मछली का अवतार

365 मार्गः राह

366 हेतुः कारण

367 दामोदरः जिसके पेट में रस्सी हो

368 सहः सभी स्थायी

369 महीधरः पृथ्वी का वाहक

370 महाभागः वह जिसे हर यज्ञ में सबसे बड़ा हिस्सा मिलता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

371 वेगवान् वह जो तेज है
372 अमिताशनः अंतहीन भूख की
373 उद्भवः प्रवर्तक
374 क्षोभणः आंदोलन करने वाला
375 देवः वह जो रहस्योद्घाटन करे
376 श्रीगर्भः वह जिसमें सभी महिमाएँ हैं
377 परमेश्वरः परम + ईश्वरा = सर्वोच्च भगवान, परम (महालक्ष्मी यानी सभी शक्तियों से ऊपर) + ईश्वर (भगवान) = भगवान की महालक्ष्मी
378 करणम् यंत्र
379 कारणम् कारण
380 कर्ता कर्ता
381 विकर्ता ब्रह्मांड बनाने वाले अंतहीन किस्मों के निर्माता
382 गहनः अनजाना
383 गुहः वह जो हृदय की गुफा में निवास करता है
384 व्यवसायः दृढ़
385 व्यवस्थानः उपजाऊ
386 संस्थानः परम अधिकार
387 स्थानदः वह जो सही निवास स्थान को स्वीकार करता है
388 ध्रुवः परिवर्तनों के बीच में परिवर्तनशील
389 परर्धिः वह जिसके पास सर्वोच्च अभिव्यक्तियाँ हैं
390 परमस्पष्टः अत्यंत ज्वलंत
391 तुष्टः जो एक बहुत ही सरल पेशकश के साथ संतुष्ट है
392 पुष्टः एक जो कभी भरा-पूरा होता है
393 शुभेक्षणः सब शुभ शुभ टकटकी
394 रामः एक जो सबसे सुंदर है
395 विरामः परिपूर्ण-विश्राम का वास
396 विरजः धीर
397 मार्गः राह
398 नेयः मार्गदर्शक
399 नयः एक जो नेतृत्व करता है
400 अनयः जिसके पास कोई नेता नहीं है
401 वीरः वीरता
402 शक्तिमतां श्रेष्ठः शक्तिशाली के बीच सबसे अच्छा
403 धर्मः होने का नियम
404 धर्मविदुत्तमः बोध के पुरुषों में सबसे ज्यादा
405 वैकुण्ठः परम निवास भगवान, वैकुंठ

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

406 पुरुषः जो सभी शरीरों में निवास करता है
407 प्राणः जिंदगी
408 प्राणदः जीवन देने वाला
409 प्रणवः वह जिसकी देवताओं द्वारा प्रशंसा की जाती है
410 पृथुः का विस्तार किया
411 हिरण्यगर्भः रचयिता
412 शत्रुघ्नः शत्रुओं का नाश करनेवाला
413 व्याप्तः परवरदिगार
414 वायुः हवा
415 अधोक्षजः जिसकी जीवन शक्ति कभी नीचे की ओर नहीं जाती है
416 ऋतुः ऋतुएँ
417 सुदर्शनः वह जिसकी बैठक शुभ हो
418 कालः वह जो न्याय करता है और प्राणियों को दंड देता है
419 परमेष्ठी जो दिल के भीतर अनुभव के लिए आसानी से उपलब्ध है
420 परिग्रहः प्राप्तकर्ता
421 उग्रः भयानक
422 संवत्सरः वर्ष
423 दक्षः होशियार
424 विश्रामः आराम करने की जगह
425 विश्वदक्षिणः सबसे कुशल और कुशल
426 विस्तारः विस्तार
427 स्थावरस्स्थाणुः दृढ़ और अविचल
428 प्रमाणम् सबूत
429 बीजमव्ययम् अपरिवर्तनीय बीज
430 अर्थः वह जो सभी को पूजता हो
431 अनर्थः जिनमें से एक को पूरा करने के लिए अभी तक कुछ भी नहीं है
432 महाकोशः वह जो उसके चारों ओर महान म्यान लिए हुए है
433 महाभोगः वह जो भोग की प्रकृति का है
434 महाधनः वह जो सर्वोच्च धनी हो
435 अनिर्विण्णः वह जिसका कोई असंतोष न हो
436 स्थविष्ठः वह जो बहुत बड़ा है
437 अभूः जिसका कोई जन्म नहीं है
438 धर्मयूपः वह पद जिसके लिए सभी धर्म बंधे हैं
439 महामखः बड़ा त्याग करनेवाला

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

440 नक्षत्रनेमिः तारों का जाल
441 नक्षत्री सितारों के भगवान (चंद्रमा)
442 क्षमः वह जो सभी उपक्रमों में सर्वोच्च कुशल हो
443 क्षामः वह जो कभी भी बिना किसी कमी के रहता है
444 समीहनः जिसकी इच्छाएँ शुभ हों
445 यज्ञः जो यज्ञ की प्रकृति का है
446 इज्यः वह जो यज्ञ के माध्यम से आह्वान करने लायक हो
447 महेज्यः जिसे सबसे ज्यादा पूजा जाना है
448 क्रतुः पशु-बलि
449 सत्रम् अच्छे का रक्षक
450 सतां-गतिः अच्छे की शरण
451 सर्वदर्शी सभी ज्ञाता
452 विमुक्तात्मा नित्यमुक्त स्व
453 सर्वज्ञः सर्वज्ञ
454 ज्ञानमुत्तमम् सर्वोच्च ज्ञान
455 सुव्रतः वह जो कभी शुद्ध व्रत करता हो
456 सुमुखः जिसके पास एक आकर्षक चेहरा है
457 सूक्ष्मः उपशीर्षक
458 सुघोषः शुभ ध्वनि का
459 सुखदः सुख देने वाला
460 सुहृत् सभी प्राणियों के मित्र
461 मनोहरः मन की चोरी करने वाला
462 जितक्रोधः वह जिसने क्रोध पर विजय प्राप्त की हो
463 वीरबाहुः शक्तिशाली हथियार होना
464 विदारणः एक जो बँटवारा करता है
465 स्वापनः एक जो लोगों को सोने के लिए खड़ा करता है
466 स्ववशः वह जिसके पास सब कुछ उसके नियंत्रण में हो
467 व्यापी सभी सर्वव्यापी
468 नैकात्मा बहुत से लोग
469 नैककर्मकृत् वह जो बहुत से कर्म करता हो
470 वत्सरः वास
471 वत्सलः परम स्नेही
472 वत्सी पिता
473 रत्नगर्भः गहना-वोमद
474 धनेश्वरः धन का प्रभु

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

475 धर्मगुब् जो धर्म की रक्षा करता है
476 धर्मकृत् जो धर्म के अनुसार कार्य करता है
477 धर्मी धर्म का समर्थक
478 सत् अस्तित्व
479 असत् मोह माया
480 क्षरम् वह जो नाश प्रतीत होता है
481 अक्षरम् अविनाशी
482 अविज्ञाता गैर-ज्ञाता (शरीर के भीतर स्थित आत्मा होने का ज्ञाता)
483 सहस्रांशुः हज़ार रे वाले
484 विधाता सभी समर्थक
485 कृतलक्षणः जो अपने गुणों के लिए प्रसिद्ध है
486 गभस्तिनेमिः सार्वभौमिक पहिया का केंद्र
487 सत्त्वस्थः सत्त्व में स्थित
488 सिंहः शेर
489 भूतमहेश्वरः प्राणियों के महान स्वामी
490 आदिदेवः पहला देवता
491 महादेवः महान देवता
492 देवेशः सभी देवों के भगवान
493 देवभृद्गुरुः इंद्र के सलाहकार
494 उत्तरः वह जो हमें संसार सागर से दूर ले जाता है
495 गोपतिः गडरिया
496 गोप्ता रक्षक
497 ज्ञानगम्यः जो शुद्ध ज्ञान के माध्यम से अनुभव किया जाता है
498 पुरातनः वह जो समय से पहले भी था
499 शरीरभूतभृत् वह जो प्रकृति से पोषण करता है जिसमें से शव आए थे
500 भोक्ता भोग करनेवाला
501 कपीन्द्रः बंदरों के भगवान (राम)
502 भूरिदक्षिणः वह जो बड़े-बड़े उपहार देता है
503 सोमपः जो यज्ञों में सोम ग्रहण करता है
504 अमृतपः जो अमृत पीता है
505 सोमः जो चंद्रमा के रूप में पौधों का पोषण करता है
506 पुरुजित् एक जिसने कई शत्रुओं पर विजय प्राप्त की
507 पुरुसत्तमः गजब का कमाल
508 विनयः वह जो अधर्मी हैं उन्हें अपमानित करता है
509 जयः विजयी
510 सत्यसन्धः सत्य संकल्प का

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

511 दाशार्हः वह जो दशरथ जाति में पैदा हुआ था
512 सात्त्वतां पतिः सत्वों के स्वामी
513 जीवः वह जो कि क्षत्रिय के रूप में कार्य करता है
514 विनयितासाक्षी विनय का साक्षी
515 मुकुन्दः मुक्ति का दाता
516 अमितविक्रमः अथाह कौशल का
517 अम्भोनिधिः चार प्रकार के प्राणियों का मूल
518 अनन्तात्मा अनंत स्व
519 महोदधिशयः जो महान महासागर पर टिकी हुई है
520 अन्तकः मौत
521 अजः आइंदा
522 महार्हः जो सबसे ज्यादा पूजा का हकदार है
523 स्वाभाव्यः कभी अपने स्वयं के स्वभाव में निहित है
524 जितामित्रः जिसने सभी शत्रुओं पर विजय पा ली है
525 प्रमोदनः कभी-आनंदित
526 आनन्दः शुद्ध आनंद का एक द्रव्यमान
527 नन्दनः वह जो दूसरों को आनंदित करता है
528 नन्दः सभी सांसारिक सुखों से मुक्त
529 सत्यधर्मा जो अपने आप में सभी सच्चे धर्म है
530 त्रिविक्रमः एक जिसने तीन कदम उठाए
531 महर्षिः कपिलाचार्यः वह जो महान संत कपिला के रूप में अवतरित हुआ
532 कृतज्ञः सृष्टि का ज्ञाता
533 मेदिनीपतिः धरती का भगवान
534 त्रिपदः एक जिसने तीन कदम उठाए हैं
535 त्रिदशाध्यक्षः चेतना के तीन राज्यों के भगवान
536 महाशृंगः महान सींग वाला (मत्स्य)
537 कृतान्तकृत् सृष्टि का नाश करने वाला
538 महावराहः महान सूअर
539 गोविन्दः जो वेदांत के माध्यम से जाना जाता है
540 सुषेणः वह जिसके पास आकर्षक सेना हो
541 कनकांगदी चमकीले-सोने के बाजूबंद पहनने वाले
542 गुह्यः रहस्यमय
543 गभीरः अथाह
544 गहनः अभेद्य
545 गुप्तः अच्छी तरह से छुपा हुआ

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

546 चक्रगदाधरः डिस्क और गदा के वाहक
547 वेधाः ब्रह्मांड का निर्माता
548 स्वांगः एक अच्छी तरह से आनुपातिक अंगों के साथ
549 अजितः किसी के द्वारा नहीं किया गया
550 कृष्णः अंधेरे स्वरूपित
551 दृढः कंपनी
552 संकर्षणोऽच्युतः वह जो पूरी सृष्टि को अपने स्वभाव में समाहित कर लेता है और कभी उस प्रकृति से दूर नहीं होता है
553 वरुणः जो क्षितिज पर सेट करता है (सूर्य)
554 वारुणः वरुण का पुत्र (वसिष्ठ या अगस्त्य)
555 वृक्षः पेड़
556 पुष्कराक्षः कमल ने आँख मारी
557 महामनः महान दिमाग
558 भगवान् एक जो छह opulences के पास है
559 भगहा जो प्रलय के दौरान छः नेत्रों को नष्ट कर देता है
560 आनन्दी जो आनंद देता है
561 वनमाली जो वन फूलों की माला पहनता है
562 हलायुधः जिसके पास अपने हथियार के रूप में एक हल है
563 आदित्यः अदिति का पुत्र
564 ज्योतिरादित्यः सूर्य का तेज
565 सहिष्णुः जो शांति से द्वंद्व को समाप्त करता है
566 गतिसत्तमः सभी भक्तों के लिए परम शरण
567 सुधन्वा एक जिसके पास शारंग है
568 खण्डपरशुः वह जो कुल्हाड़ी रखता हो
569 दारुणः अधर्मी के प्रति दया
570 द्रविणप्रदः जो दिल से धन देता है
571 दिवःस्पृक् स्काई-तक पहुँचने
572 सर्वदृग्व्यासः जो ज्ञान के कई पुरुष पैदा करता है
573 वाचस्पतिरयोनिजः वह जो सभी विद्याओं का स्वामी है और जो एक गर्भ से अजन्मा है
574 त्रिसामा जो देवों, व्रतों और सामनों द्वारा महिमामंडित किया जाता है
575 सामगः समा गीतों का गायक
576 साम साम वेद
577 निर्वाणम् सभी आनंद
578 भेषजम् दवा

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

579 भृषक् चिकित्सक
580 संन्यासकृत् संन्यास का संस्थान
581 समः शांत
582 शान्तः भीतर शांति हो
583 निष्ठा सभी प्राणियों का निवास
584 शान्तिः जिसका स्वभाव बहुत ही शांति वाला है
585 परायणम् मुक्ति का मार्ग
586 शुभांगः एक जो सबसे सुंदर रूप है
587 शान्तिदः शांति देने वाला
588 स्रष्टा सभी प्राणियों का निर्माता
589 कुमुदः वह जो पृथ्वी पर विचरण करता है
590 कुवलेशयः वह जो पानी में फिरता हो
591 गोहितः जो गायों का कल्याण करता है
592 गोपतिः धरती का पति
593 गोप्ता ब्रह्मांड का रक्षक
594 वृषभाक्षः जिसकी आंखों में इच्छाओं की पूर्ति होती है
595 वृषप्रियः जो धर्म में रम जाता है
596 अनिवर्ती जो कभी पीछे नहीं हटता
597 निवृतात्मा जो सभी तरह के भोग से पूरी तरह से संयमित है
598 संक्षेप्ता अनचाहा
599 क्षेमकृत् अच्छे का कर्ता
600 शिवः शुभ
601 श्रीवत्सवत्साः एक जिसके सीने पर श्रीवत्स है
602 श्रीवासः श्री का निवास
603 श्रीपतिः लक्ष्मी का भगवान
604 श्रीमतां वरः शानदार के बीच सबसे अच्छा
605 श्रीदः नेत्ररोग का दाता
606 श्रीशः श्री का प्रभु
607 श्रीनिवासः जो अच्छे लोगों में बसता है
608 श्रीनिधिः श्री का खजाना
609 श्रीविभावनः श्री का वितरक
610 श्रीधरः श्री का धारक
611 श्रीकरः एक जो श्री देते हैं

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

612 श्रेयः मुक्ति
613 श्रीमान् श्री का पौधा
614 लोकत्रयाश्रयः तीनों लोकों का आश्रय
615 स्वक्षः सुंदर आंखों
616 स्वङ्गः सुंदर-पंखवाला
617 शतानन्दः अनंत किस्मों और खुशियों की
618 नन्दिः अनंत आनंद
619 ज्योतिर्गणेश्वरः ब्रह्माण्ड में प्रकाशवानों के स्वामी
620 विजितात्मा एक जिसने इंद्रिय अंगों को जीत लिया है
621 विधेयात्मा जो कभी भक्तों के लिए प्रेम में आज्ञा देने के लिए उपलब्ध होता है
622 सत्कीर्तिः शुद्ध ख्याति में से एक
623 छिन्नसंशयः जिनकी शंका कभी शांत होती है
624 उदीर्णः महान पारलौकिक
625 सर्वतश्चक्षुः जिसकी हर जगह आंखें हैं
626 अनीशः जिसके पास प्रभु का कोई नहीं है
627 शाश्वतः-स्थिरः जो शाश्वत और स्थिर है
628 भूशयः समुद्र के किनारे विश्राम करने वाले (राम)
629 भूषणः जो संसार को शोभा देता है
630 भूतिः एक जो शुद्ध अस्तित्व है
631 विशोकः Sorrowless
632 शोकनाशनः दुखों का नाश करने वाला
633 अर्चिष्मान् प्रफुल्लित करने वाला
634 अर्चितः जो अपने भक्तों द्वारा निरंतर पूजे जाते हैं
635 कुम्भः वह बर्तन जिसके भीतर सब कुछ समाहित है
636 विशुद्धात्मा एक जो शुद्धतम आत्मा है
637 विशोधनः महान शोधक
638 अनिरुद्धः वह जो किसी शत्रु द्वारा अजेय हो
639 अप्रतिरथः जिसके पास कोई दुश्मन नहीं है वह उसे धमकी दे
640 प्रद्युम्नः बहुत अमीर
641 अमितविक्रमः अथाह कौशल का
642 कालनेमीनिहा कलानमी का कातिल
643 वीरः वीर विजेता
644 शौरी एक जो हमेशा अजेय कौशल है
645 शूरजनेश्वरः वीर प्रभु

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

646 त्रिलोकात्मा तीनों लोकों के स्व
647 त्रिलोकेशः तीनों लोकों के स्वामी
648 केशवः जिसकी किरणें ब्रह्मांड को प्रकाशित करती हैं
649 केशिहा केसी का हत्यारा
650 हरिः रचयिता
651 कामदेवः प्यारे प्रभु
652 कामपालः पूरा
653 कामी जिसने अपनी सभी इच्छाओं को पूरा कर लिया है
654 कान्तः करामाती रूप का
655 कृतागमः आगम शास्त्र का रचयिता
656 अनिर्देश्यवपुः अवर्णनीय रूप का
657 विष्णुः सभी सर्वव्यापी
658 वीरः साहसी
659 अनन्तः अनंत
660 धनञ्जयः जिसने विजय प्राप्त करके धन प्राप्त किया
661 ब्रह्मण्यः ब्राह्मण के रक्षक (नारायण से संबंधित कुछ भी)
662 ब्रह्मकृत् जो ब्रह्म में कार्य करता है
663 ब्रह्मा बनाने वाला
664 ब्रहम सबसे बड़ा
665 ब्रह्मविवर्धनः जो ब्रह्म को बढ़ाता है
666 ब्रह्मविद् जो ब्रह्म को जानता है
667 ब्राह्मणः जिसने ब्रह्म को महसूस किया है
668 ब्रह्मी जो ब्रह्म के साथ है
669 ब्रह्मज्ञः जो ब्रह्म के स्वरूप को जानता है
670 ब्राह्मणप्रियः ब्राह्मणों को प्रिय है
671 महाकर्मः महान कदम का
672 महाकर्मा जो महान कर्म करता है
673 महातेजा महान वैराग्य में से एक
674 महोरगः महान सर्प
675 महाक्रतुः महान बलिदान
676 महायज्वा जिसने महान यज्ञ किए थे
677 महायज्ञः महा यज्ञ
678 महाहविः शानदार पेशकश
679 स्तव्यः एक जो सभी प्रशंसा की वस्तु है
680 स्तवप्रियः जो प्रार्थना के माध्यम से आह्वान किया जाता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

681 स्तोत्रम् भजन
682 स्तुतिः प्रशंसा का कार्य
683 स्तोता वह जो प्रशंसा करे या प्रशंसा करे
684 रणप्रियः लड़ाइयों का प्रेमी
685 पूर्णः पूरा
686 पूरयिता पूरा करने वाला
687 पुण्यः वास्तव में पवित्र
688 पुण्यकीर्तिः पवित्र प्रसिद्धि का
689 अनामयः वह जिसे कोई रोग न हो
690 मनोजवः मन के रूप में स्विफ्ट करें
691 तीर्थकरः तीर्थों के आचार्य
692 वसुरेताः वह जिसका सार सुनहरा है
693 वसुप्रदः धन का मुक्त करने वाला
694 वसुप्रदः मोक्ष का दाता, सबसे बड़ा धन
695 वासुदेवः वासुदेव का पुत्र
696 वसुः सभी के लिए शरण
697 वसुमना जो हर चीज के प्रति चौकस है
698 हविः विस्मरण
699 सद्गतिः अच्छे लोगों का लक्ष्य
700 सत्कृतिः जो अच्छे कार्यों से भरा है
701 सत्ता एक के बिना दूसरा
702 सद्भूतिः एक जिसके पास समृद्ध महिमा है
703 सत्परायणः अच्छे के लिए सर्वोच्च लक्ष्य
704 शूरसेनः जिसके पास वीर और वीर सेनाएँ हों
705 यदुश्रेष्ठः यादव वंश के बीच सबसे अच्छा
706 सन्निवासः अच्छे का निवास
707 सुयामुनः वह जो यमुना के किनारे निवास करता था
708 भूतावासः तत्वों का निवास स्थान
709 वासुदेवः जो माया से संसार को आवृत करता है
710 सर्वासुनिलयः सभी जीवन ऊर्जाओं का निवास
711 अनलः असीमित धन, शक्ति और महिमा में से एक
712 दर्पहा दुष्ट-चित्त लोगों में अभिमान का नाश करने वाला
713 दर्पदः जो धर्मी के बीच अभिमान या श्रेष्ठ बनने का आग्रह करता है
714 दृप्तः जो अनंत आनंद से सराबोर है
715 दुर्धरः चिंतन की वस्तु
716 अथापराजितः असभ्य

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

717 विश्वमूर्तिः पूरे ब्रह्मांड के रूप में
718 महामूर्तिः महान रूप है
719 दीप्तमूर्तिः देदीप्यमान रूप का
720 अमूर्तिमान् जिसका कोई रूप न हो
721 अनेकमूर्तिः बहु का गठन
722 अव्यक्तः **Unmanifeset**
723 शतमूर्तिः कई रूपों में
724 शताननः कई-चेहरे
725 एकः एक
726 नैकः बहुत सारे
727 सवः यज्ञ का स्वरूप
728 कः जो आनंद की प्रकृति का है
729 किम् क्या और किससे पूछताछ की जाए)
730 यत् कौन कौन से
731 तत् उस
732 पदमनुत्तमम् पूर्णता की असमान अवस्था
733 लोकबन्धुः दुनिया का दोस्त
734 लोकनाथः संसार के स्वामी
735 माधवः मधु के परिवार में पैदा हुए
736 भक्तवत्सलः जो अपने भक्तों से प्रेम करता है
737 सुवर्णवर्णः गोल्डन रंग का
738 हेमांगः वह जिसके पास सोने के अंग हों
739 वरांगः सुंदर अंगों के साथ
740 चन्दनांगदी एक जो आकर्षक बाजूबंद है
741 वीरहा बहादुर नायकों का संहारक
742 विषमः अप्रतिम
743 शून्यः शून्य
744 घृताशी जिसे अच्छी इच्छाओं की कोई आवश्यकता नहीं है
745 अचलः गैर चलती
746 चलः चलती
747 अमानी झूठी व्यर्थता के बिना
748 मानदः जो अपनी माया द्वारा, शरीर के साथ झूठी पहचान का कारण बनता है
749 मान्यः जिसे सम्मानित किया जाना है
750 लोकस्वामी ब्रह्मांड के भगवान
751 त्रिलोकधृक् वह जो तीनों लोकों का सहारा है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

752 सुमेधा जिसके पास शुद्ध बुद्धि है
753 मेधजः बलिदानों से बाहर पैदा हुए
754 धन्यः भाग्यशा
755 सत्यमेधः जिसकी बुद्धि कभी असफल नहीं होती
756 धराधरः धरती का एकमात्र सहारा
757 तेजोवृषः एक जो चमक दिखाती है
758 द्युतिधरः जो एक शानदार रूप धारण करता है
759 सर्वशस्त्रभृतां वरः हथियारों को छेड़ने वालों में सबसे अच्छा है
760 प्रग्रहः पूजा करने वाला
761 निग्रहः खूनी
762 व्यग्रः जो कभी भक्त की इच्छाओं को पूरा करने में लगा रहता है
763 नैकशृंगः एक जिसके पास कई सींग हैं
764 गदाग्रजः जो मंत्र के माध्यम से आह्वान किया जाता है
765 चतुर्मूर्तिः चार का गठन
766 चतुर्बाहुः चार हाथ
767 चतुर्व्यूहः जो स्वयं को चार व्योमों में गतिशील केंद्र के रूप में व्यक्त करता है
768 चतुर्गतिः सभी चार वर्णों और आश्रमों का अंतिम लक्ष्य
769 चतुरात्मा साफ दिमाग
770 चतुर्भावः चार का स्रोत
771 चतुर्वेदविद् चारों वेदों का ज्ञाता
772 एकपात् एक-पैर वाला **(बीजी 10.42)**
773 समावर्तः कुशल टर्नर
774 निवृत्तात्मा जिसका मन इन्द्रिय भोग से दूर हो जाता है
775 दुर्जयः अपराजेय
776 दुरतिक्रमः जिसकी अवज्ञा करना कठिन है
777 दुर्लभः जिसे बड़े प्रयासों से प्राप्त किया जा सकता है
778 दुर्गमः जिसे बड़ी मेहनत से महसूस किया जाता है
779 दुर्गः में तूफान के लिए आसान नहीं है
780 दुरावासः लॉज करना आसान नहीं है
781 दुरारिहा असुरों का वध
782 शुभांगः करामाती अंगों वाला
783 लोकसारंगः जो ब्रह्मांड को समझता है
784 सुतन्तुः खूबसूरती से विस्तार किया
785 तन्तुवर्धनः जो परिवार के लिए ड्राइव की निरंतरता का समर्थन करता है
786 इन्द्रकर्मा जो हमेशा गौरवशाली शुभ कार्यों को करता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

787 महाकर्मा जो महान कार्यों को पूरा करता है
788 कृतकर्मा जिसने अपने कृत्य को पूरा किया है
789 कृतागमः वेदों के लेखक
790 उद्भवः परम स्रोत
791 सुन्दरः अनुपम सौंदर्य का
792 सुन्दः बड़ी दया की
793 रत्ननाभः सुंदर नाभि का
794 सुलोचनः एक जिसकी सबसे अधिक मुग्ध आँखें हैं
795 अर्कः वह जो सूर्य के रूप में हो
796 वाजसनः भोजन देने वाला
797 शृंगी एक सींग वाला
798 जयन्तः सभी शत्रुओं का विजेता
799 सर्वविज्जयी जो एक बार सर्वज्ञ और विजयी होता है
800 सुवर्णबिन्दुः सोने की तरह उज्ज्वल अंगों के साथ
801 अक्षोभ्यः एक जो कभी अनारक्षित है
802 सर्ववागीश्वरेश्वरः वाणी के भगवान
803 महाह्रदः एक जो एक महान ताज़ा स्विमिंग पूल की तरह है
804 महागर्तः महान चैस
805 महाभूतः महामानव
806 महानिधिः महान निवास
807 कुमुदः जो पृथ्वी को प्रसन्न करता है
808 कुन्दरः वह जिसने पृथ्वी को उठा लिया
809 कुन्दः जो कुंड के फूलों की तरह आकर्षक है
810 पर्जन्यः वह जो बरसाती बादलों के समान है
811 पावनः जो कभी शुद्ध होता है
812 अनिलः जो कभी फिसलता नहीं है
813 अमृतांशः जिसकी इच्छाएँ कभी फलहीन नहीं होतीं
814 अमृतवपुः वह जिसका रूप अमर है
815 सर्वज्ञः सर्वज्ञ
816 सर्वतोमुखः जो उसका चेहरा है वह हर जगह बदल गया है
817 सुलभः जो आसानी से उपलब्ध है
818 सुव्रतः जिसने सबसे शुभ रूपों को लिया है
819 सिद्धः एक जो पूर्णता है
820 शत्रुजित् एक जो कभी अपने दुश्मनों के मेजबानों पर विजयी होता है
821 शत्रुतापनः दुश्मनों का कोलाहल
822 न्यग्रोधः जो खुद को माया से पर्दा करता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

823 उदुम्बरः सभी जीवों का पोषण
824 अश्वत्थः जीवन का पेड़
825 चाणूरान्ध्रनिषूदनः कनुरा का कातिल
826 सहस्रार्चिः वह जिसके पास हजारों किरणें हों
827 सप्तजिह्वः वह जो खुद को अग्नि की सात जीभों के रूप में व्यक्त करता है (प्रकार की अग्नि)
828 सप्तैधाः आग की लपटों में सात झुलस गए
829 सप्तवाहनः जिसके पास सात घोड़ों (सूर्य) का वाहन है
830 अमूर्तिः निराकार
831 अनघः गुनाहों के बिना
832 अचिन्त्यः समझ से बाहर
833 भयकृत् भय का दाता
834 भयनाशनः भय का नाश करनेवाला
835 अणुः उपशीर्षक
836 बृहत् महानतम
837 कृशः नाजुक, दुबला
838 स्थूलः एक वो जो सबसे फेमस है
839 गुणभृत् जो समर्थन करता है
840 निर्गुणः बिना किसी गुण के
841 महान् शक्तिमान
842 अधृतः बिना सहारे का
843 स्वधृतः स्व समर्थित
844 स्वास्यः एक जो एक शानदार चेहरा है
845 प्राग्वंशः एक जो सबसे प्राचीन वंश है
846 वंशवर्धनः वह जो अपने वंशजों के परिवार को गुणा करता है
847 भारभृत् जो ब्रह्मांड के भार को वहन करता है
848 कथितः जो सभी शास्त्रों में महिमा मंडित है
849 योगी जिसे योग के माध्यम से महसूस किया जा सकता है
850 योगीशः योगियों का राजा
851 सर्वकामदः जो सच्चे भक्तों की सभी इच्छाओं को पूरा करता है
852 आश्रमः हेवन
853 श्रमणः जो सांसारिक लोगों को सताता है
854 क्षामः जो सब कुछ नष्ट कर देता है
855 सुपर्णः स्वर्ण पत्ती (वेद) बीजी 15.1
856 वायुवाहनः हवाओं का तेज

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

857 धनुर्धरः धनुष की जटा
858 धनुर्वेदः जिसने तीरंदाजी का विज्ञान घोषित किया
859 दण्डः जो दुष्टों को दंड देता है
860 दमयिता नियंत्रक
861 दमः स्व में सुन्दरता
862 अपराजितः जिसे पराजित नहीं किया जा सकता है
863 सर्वसहः एक जो पूरे ब्रह्मांड को वहन करता है
864 अनियन्ता जिसका कोई नियंत्रक नहीं है
865 नियमः वह जो किसी के नियमों के अधीन न हो
866 अयमः जो कोई मृत्यु नहीं जानता
867 सत्त्ववान् वह जो शोषण और साहस से भरा हो
868 सात्त्विकः जो सात्विक गुणों से परिपूर्ण है
869 सत्यः सत्य
870 सत्यधर्मपराक्रमः जो सत्य और धर्म का बहुत वास है
871 अभिप्रायः जिसका सामना सभी साधकों को करना है, अनंत तक
872 प्रियार्हः एक जो हमारे सभी प्यार के हकदार हैं
873 अर्हः जिसकी पूजा की जानी चाहिए
874 प्रियकृत् एक जो हमारी इच्छाओं को पूरा करने में कभी-कभी बाध्य है
875 प्रीतिवर्धनः जो भक्त के हृदय में आनंद बढ़ाता है
876 विहायसगतिः जो अंतरिक्ष में यात्रा करता है
877 ज्योतिः स्व दीप्तिमान
878 सुरुचिः जिसकी इच्छा ब्रह्मांड के रूप में प्रकट होती है
879 हुतभुक् जो यज्ञ में अर्पित होता है वह सब भोगता है
880 विभुः सभी सर्वव्यापी
881 रविः एक जो सब कुछ सूख जाता है
882 विरोचनः जो विभिन्न रूपों में चमकता है
883 सूर्यः एक स्रोत जहां से सब कुछ पैदा होता है
884 सविता जो स्वयं से ब्रह्माण्ड को सामने लाता है
885 रविलोचनः जिसकी एक आंख सूर्य है
886 अनन्तः अनंत
887 हुतभुक् जो बाध्यता को स्वीकार करता है
888 भोक्ता जो भोगता है
889 सुखदः उन लोगों के लिए आनंद का दाता जो मुक्त हैं
890 नैकजः वह जो कई बार जन्म लेता है
891 अग्रजः पहला जन्म
892 अनिर्विण्णः जो कोई निराशा महसूस करता है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

893 सदामर्षी जो अपने भक्तों के अतिचारों को क्षमा कर देता है
894 लोकाधिष्ठानम् ब्रह्मांड का मूल
895 अद्भुतः आश्चर्यजनक
896 सनात् शुरुआत और अंतहीन कारक
897 सनातनतमः सबसे प्राचीन
898 कपिलः महान ऋषि कपिला
899 कपिः जो पानी पीता है
900 अव्ययः वह जिसमें ब्रह्मांड का विलय होता है
901 स्वस्तिदः स्वस्ति का दाता
902 स्वस्तिकृत् जो सब शुभ को लूटता है
903 स्वस्ति एक जो सभी शुभता का स्रोत है
904 स्वस्तिभुक् जो निरंतर शुभता प्राप्त करता है
905 स्वस्तिदक्षिणः शुभता का वितरक
906 अरौद्रः वह जिसकी कोई नकारात्मक भावना या आग्रह नहीं है
907 कुण्डली वह जो शार्क के झुमके पहनता है
908 चक्री चक्र का धारक
909 विक्रमी सबसे साहसी
910 ऊर्जितशासनः जो अपने हाथ से आज्ञा देता है
911 शब्दातिगः जो सभी शब्दों को प्रसारित करता है
912 शब्दसहः जो वैदिक घोषणाओं द्वारा खुद को लागू करने की अनुमति देता है
913 शिशिरः ठंड का मौसम, सर्दी
914 शर्वरीकरः अंधेरे का निर्माता
915 अक्रूरः कभी क्रूर नहीं
916 पेशलः वह जो अत्यंत कोमल हो
917 दक्षः शीघ्र
918 दक्षिणः सबसे उदार
919 क्षमिणांवरः वह जो पापियों के साथ सबसे अधिक धैर्य रखता है
920 विद्वत्तमः जिसके पास सबसे बड़ी बुद्धिमानी है
921 वीतभयः बिना किसी डर के
922 पुण्यश्रवणकीर्तनः जिसकी महिमा सुनने से पवित्रता बढ़ती है
923 उत्तारणः जो हमें परिवर्तन के सागर से बाहर निकालता है
924 दुष्कृतिहा बुरे कार्यों का नाश करने वाला
925 पुण्यः अति शुद्ध
926 दुःस्वप्ननाशनः जो सभी बुरे सपनों को नष्ट कर देता है
927 वीरहा वह जो गर्भ से गर्भ तक के मार्ग को समाप्त करता है
928 रक्षणः ब्रह्मांड का रक्षक

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

929 सन्तः वह जो संत पुरुषों के माध्यम से व्यक्त किया जाता है
930 जीवनः सभी प्राणियों में प्राण फूटते हैं
931 पर्यवस्थितः जो हर जगह बसता है
932 अनन्तरूपः अनंत रूपों में से एक
933 अनन्तश्रीः अनंत महिमाओं से भरा हुआ
934 जितमन्युः जिसे क्रोध न हो
935 भयापहः जो सभी भय का नाश करता है
936 चतुरश्रः एक जो वर्ग से संबंधित है
937 गभीरात्मा थाह पाने के लिए बहुत गहरा
938 विदिशः जो अपने देने में अद्वितीय है
939 व्यादिशः जो उनकी कमांडिंग पावर में अद्वितीय है
940 दिशः जो सलाह देता है और ज्ञान देता है
941 अनादिः एक जो पहला कारण है
942 भूर्भूवः पृथ्वी का उपरी भाग
943 लक्ष्मीः ब्रह्मांड की महिमा
944 सुवीरः जो विभिन्न तरीकों से आगे बढ़ता है
945 रुचिरांगदः एक जो **resplendent** कंधे टोपी पहनता है
946 जननः वह जो सभी जीवित प्राणियों का उद्धार करता है
947 जनजन्मादिः सभी प्राणियों के जन्म का कारण
948 भीमः भयानक रूप
949 भीमपराक्रमः जिसकी शत्रुता उसके दुश्मनों से भयभीत है
950 आधारनिलयः मौलिक अनुचर
951 अधाता जिसके ऊपर कोई और आज्ञा न हो
952 पुष्पहासः वह जो एक शुरुआती फूल की तरह चमकता है
953 प्रजागरः कभी-जागा
954 ऊर्ध्वगः वह जो हर चीज में सबसे ऊपर है
955 सत्पथाचारः जो सत्य के मार्ग पर चलता है
956 प्राणदः जीवन देने वाला
957 प्रणवः ओमकारा
958 पणः सर्वोच्च सार्वभौमिक प्रबंधक
959 प्रमाणम् वह जिसका स्वरूप वेद है
960 प्राणनिलयः वह जिसमें सभी प्राण स्थापित हैं
961 प्राणभृत् वह जो सभी प्राणों पर शासन करता है
962 प्राणजीवनः वह जो सभी जीवित प्राणियों में प्राण-वायु रखता है
963 तत्त्वम् वास्तविकता
964 तत्त्वविद् जिसने वास्तविकता को जान लिया है

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

965 एकात्मा एक स्व

966 जन्ममृत्युजरातिगः जो स्वयं में कोई जन्म, मृत्यु या वृद्धावस्था नहीं जानता

967 भूर्भुवःस्वस्तरुः तीनों लोकों का वृक्ष (भौ = स्थलीय, स्वह = आकाशीय और भुवः = बीच में विश्व)

968 तारः एक जो सभी को पार करने में मदद करता है

969 सविताः सबका बाप

970 प्रपितामहः प्राणियों के पिता (ब्रह्मा)

971 यज्ञः जिसका बहुत ही स्वभाव यज्ञ है

972 यज्ञपतिः सभी यज्ञों के स्वामी

973 यज्वा वह जो यज्ञ करता हो

974 यज्ञांगः जिसका एक अंग है यज्ञ में काम आने वाली चीजें

975 यज्ञवाहनः जो यज्ञों को पूर्ण रूप से सम्पन्न करता है

976 यज्ञभृद् यज्ञों का अधिपति

977 यज्ञकृत् जो यज्ञ करता है

978 यज्ञी यज्ञों का आनंद लेने वाला

979 यज्ञभुक् जो कुछ भी चढ़ाया जाता है, उसका प्राप्तकर्ता

980 यज्ञसाधनः जो सभी यज्ञों को पूरा करता है

981 यज्ञान्तकृत् जो यज्ञ का समापन कार्य करता है

982 यज्ञगुह्यम् यज्ञ द्वारा साकार किया जाने वाला व्यक्ति

983 अन्नम् एक जो भोजन है

984 अन्नादः जो खाना खाता है

985 आत्मयोनिः अकारण कारण

986 स्वयंजातः स्वयंजनित

987 वैखानः वह जो पृथ्वी से कटता है

988 सामगायनः वह जो गाता है गीत; जो सुनता है वह प्रेम करता है;

989 देवकीनन्दनः देवकी का पुत्र

990 स्रष्टा बनाने वाला

991 क्षितीशः धरती का भगवान

992 पापनाशनः पाप का नाश करनेवाला

993 शंखभृत् जिसके पास दिव्य पंचजन्य है

994 नन्दकी नंदका तलवार धारण करने वाला

995 चक्री सुदर्शन का वाहक

996 शार्ङ्गधन्वा जो अपने शारंग धनुष को लक्ष्य करता है

997 गदाधरः कौमोदकी क्लब का वाहक

998 रथांगपाणिः जिसके पास रथ का पहिया है, उसका हथियार; अपने हाथों में रथ के तारों के साथ एक;

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

999 अक्षोभ्यः जो किसी से नाराज नहीं हो सकता

1000

सर्वप्रहरणायुधः

वह जिसके पास सभी प्रकार के हमले और लड़ाई के लिए सभी उपकरण हैं

eAstroHelp
Your Astrology Helpline